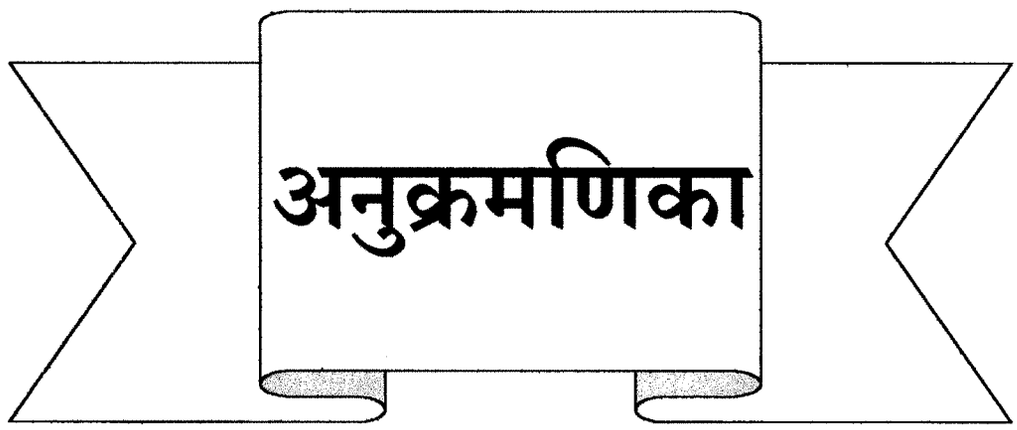

अनुक्रमणिका

अ नु क्र म णि का

	प्राक्कथन	I - VII
	अनुक्रमणिका	VIII - XIV
प्रथम अध्याय	**- ओमप्रकाश वाल्मीकि : व्यक्तित्व एवं कृतित्व**	**1 - 25**
	प्रास्ताविक	
1.1	**व्यक्तित्व**	
1.1.1	जन्म-तिथि एवं जन्म-स्थान	
1.1.2	परिवार	
1.1.3	कुल परंपरा	
1.1.4	माता-पिता	
1.1.5	बचपन	
1.1.6	शिक्षा	
1.1.7	नौकरी	
1.1.8	रहन सहन तथा खानपान	
1.1.9	विवाह	
1.1.10	संतान	
1.2	**ओमप्रकाश वाल्मीकि के व्यक्तित्व के कुछ पहलू**	
1.2.1	साहसी एवं सत्य प्रिय	
1.2.2	बहुभाषी	
1.2.3	वाचन प्रिय	
1.2.4	नाटक प्रिय	
1.2.5	अच्छे अभिनेता	
1.2.6	सहयोही वृत्ति	

1.2.7 अनेक उपनाम वाले

1.2.8 अंध:श्रद्धा के विरोधी

1.2.9 कथा-कथनकार

1.2.10 शिक्षा के लालसी

1.2.11 जन्म से लेकर जीवनभर जाति में फँसे ओमप्रकाश

1.2.12 ओमप्रकाश को ' वाल्मीकि ' से लगाव

1.2.13 दलितों के प्रतिनिधित्व लेखक

1.2.14 दुर्दैवी ओमप्रकाश

1.3 कृतित्व

* प्रकाशित कृत्तियाँ

1.3.1 ' जूठन ' (आत्मकथा)

1.3.2 ' सलाम ' (कहानी संग्रह)

1.3.3 ' घुसपैठिये ' (कहानी संग्रह)

1.3.4 कविता संग्रह ' सदियों का संताप ', ' बस! बहूत हो चुका', ' अब और नहीं ', (शीघ्र प्रकाश्य)

1.3.5 ' दलित साहित्य का सौन्दर्य शास्त्र ' (आलोचना)

1.3.6 नाटक

1.3.7 अन्य

1.3.8 पुरस्कार

1.3.9 सम्प्रति

निष्कर्ष

द्वितीय अध्याय - ओमप्रकाश वाल्मीकि की कहानियाँ : स्वरूप-विवेचन

प्रास्ताविक 26 - 51

2.1 भावप्रवण कथाएँ

2.1.1 कहाँ जाए सतीश

2.1.2 जिनावर

2.1.3 अम्मा

2.2 संघर्षयुक्त कथाएँ

2.2.1 सलाम

2.2.2 सपना

2.3 दमन करनेवाली कथाएँ

2.3.1 गोहत्या

2.3.2 कुचक्र

2.3.3 खानाबदोश

2.4 यौन संबंध में जाति न माननेवाली कथा

2.4.1 ग्रहण

2.5 जाति भय उत्पन्न करनेवाली कथाएँ

2.5.1 अंधड़

2.5.2 भय

2.6 दलितों का इस्तेमाल करनेवाली कथाएँ

2.6.1 बैल की खाल

2.6.2 बिरम की बहू

2.7 शोषण करनेवाली कथाएँ

2.7.1 रिहाई

2.7.2 घुसपैठिये

2.7.3 प्रमोशन

निष्कर्ष

तृतीय अध्याय - ओमप्रकाश वाल्मीकि की कहानियों का चरित्रगत अध्ययन

प्रास्ताविक 52 - 83

3.1 चरित्र चित्रण

3.2 कहानी में चरित्र-चित्रण का महत्त्व और स्वरूप

3.3 दबे हुए चरित्र

3.3.1 मि. लाल

3.3.2 बिरजू की बहू

3.3.3 कमल उपाध्याय

3.4 आदर्श चरित्र

3.4.1 अम्मा

3.4.2 जगेसर

3.4.3 काले और भूरे

3.5 खल-चरित्र

3.5.1 निशिकांत

3.5.2 सुबेसिंह

3.5.3 मुखियॉ

3.6 विद्रोही चरित्र

3.6.1 हरीश

3.6.2 ऋषिराज

3.6.3 सोमनाथ

3.7 असहाय चरित्र

3.7.1 सतीश

3.7.2 सुक्का

3.7.3 मानो-सुकिया

3.7.4 सुभाष सोनकर

3.7.5 कंवल कुमार

3.8 तनाव ग्रस्त चरित्र

3.8.1 सुमेर

3.8.2 दिनेशपाल जाटव

3.9 कुछ महत्त्वपूर्ण चरित्र

3.9.1 अनपढ़ सुदीप के पिता

3.9.2 बिरम की बहू

3.9.3 दिनेश

निष्कर्ष

चतुर्थ अध्याय - ओमप्रकाश वाल्मीकी की कहानियों में दलित जीवन की समस्याएँ 84 - 115

प्रास्ताविक

4.1 जातिवाद की समस्या

4.2 निर्दोष को सजा दिए जाने की समस्या

4.3 परंपरागत व्यवसाय स्वीकारने की विवशता की समस्या

4.4 पंरपरा के निर्वाह की समस्या

4.5 बलिप्रथा की समस्या

4.6 जाति की हीनता से दबे रहने की समस्या

4.7 अनपढ़ लोगों की समस्या

4.8 नौकरी में प्रमोशन की समस्या

4.9 मजदूरों की जातिवादी मानसिकता की समस्या

4.10 निवास की समस्या

4.11 मेड़िकल कॉलेज में दलितों की समस्या

4.12 दलितों में भी उच्च-नीच की समस्या

निष्कर्ष

पंचम अध्याय - कहानी-कला की दृष्टि से ओमप्रकाश वाल्मीकि की कहानियों का मूल्यांकन 116-154

प्रास्ताविक

5.1 शीर्षक

5.1.1 अर्थपूर्ण, प्रभावपूर्ण तथा आकर्षक शीर्षक

5.1.2 एक शब्दवाले शीर्षक

5.1.3 दो शब्दवाले शीर्षक

5.1.4 तीन शब्दवाले शीर्षक

5.1.5 चार शब्दोंवाले शीर्षक

5.2 कथानक

5.2.1 कहानी का आरंभ

5.2.2 वर्णन द्वारा आरंभ

5.2.3 कौतुहल वर्धक आरंभ

5.2.4 चरित्रांकन द्वारा आरंभ

5.2.5 आकर्षक आरंभ

5.2.6 पत्रद्वारा आरंभ

5.2.7 मध्य

5.2.8 कहानी का अंत

5.2.9 मर्मस्पर्शी अंत

5.2.10 अनिश्चयात्मक अंत

5.2.11 सोचने के लिए प्रवृत्त करनेवाले अंत

5.3 चरित्र-चित्रण

5.3.1 पात्रों का चयन

5.3.2	पात्रों की सजीवता	
5.3.3	पात्रों की सीमित संख्या	
5.3.4	विवेच्य कहानी में नारी तथा पुरूष पात्र	
5.4	**कथोपकथन (संवाद)**	
5.4.1	गुणों से युक्त तथा कलात्मक संवाद	
5.4.2	छोटे संवाद	
5.4.3	बड़े संवाद	
5.5	**देशकाल-वातावरण**	
5.6	**भाषा शैली**	
5.6.1	भाषा	
5.6.2	कहानी में लोकभाषा का प्रयोग	
5.6.3	अँग्रेजी शब्दप्रयोग	
5.6.4	फारसी तथा अरबी शब्दों का प्रयोग	
5.6.5	पंजाबी वाक्यांश	
5.6.6	शैली	
5.6.7	कथात्मक शैली	
5.6.8	संवादात्मक शैली	
5.6.9	वर्णनात्मक शैली	
5.6.10	भावप्रधान शैली	
5.6.11	आवेशमयी शैली	
5.7	**उद्देश्य**	
	निष्कर्ष	
	उपसंहार	**155-160**
	परिशिष्ट	**161-170**
	संदर्भ ग्रंथ - सूची	**171-177**